an>

Title: Need to name Mumbai Central Railway Station after Jagannath Shankarsheth, a social reformer and educationist of Mumbai in the 19th century.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : मुम्बई के शिल्पकार नाम से प्रसिद्ध नामदार जगन्नाथ शंकरशेट 19वीं सदी में एक बड़े समाज सुधारक हुए हैं। इन्हें नाना जी के नाम से भी पहचाना जाता रहा है। इन्होंन मुम्बई में शैक्षणिक तथा सामाजिक विकास के कार्यों में बहुत बड़ा योगदान किया है। नाना जी ने मुम्बई में रेल सेवा आरंभ करने हेतु 1843 में ग्रेट वेस्टर्न रेल कंपनी स्थापित की और उपर्युक्त स्थान न मिलने के कारण कंपनी का कार्यालय अपने ही घर में शुरू किया। इसके अतिरिक्त नानाजी ने बोम्बे नेटिव्हस स्कूल, एलफिन्स्टन कालेज, ग्रेट मेडिकल कालेज, रॅायल ऐशियाटिक सोसायटी जैसी प्रसिद्ध संस्थाएं स्थापित की थीं। एक तरह से यह मुम्बई के शिल्पकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। नानाजी के सामाजिक कार्यों को देखते हुए अंग्रेजी हुकूमत में इन्हें " कोर्ट ऑफ आर्म " उपाधि से सम्मानित किया गया था।

मुम्बई के सामाजिक सुधारों के लिए जिन्होंने अपने तन-मन-धन से विकास कार्यों में अपना सब कुछ अर्पित किया, ऐसे महान हÂटा नामदार जगन्नाथ शंकरशेट को आने वाली पीढ़ियां याद करें। इस हेतु मेरा सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि मुम्बई सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन का नाम बदल कर इस महान शिल्पकार और समाज सुधारक के नाम पर " जगन्नाथ शंकरशेट स्टेशन " रखा जाए। यह नाना जी को सभी की ओर से सच्ची श्रृद्धांजलि होगी।